संलग्नक - 07

मेसर्स प्रकाश इंडस्ट्रीज लिमिटेड, द्वारा ग्राम–हथनेवरा, जिला–जांजगीर–चांपा में कोल बेस्ड केप्टिव थर्मल पॉवर प्लांट– 500 मेगावॉट (2x100 मेगावॉट एवं 2x150 मेगावॉट) के लिए भारत सरकार पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, नई दिल्ली से पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु दिनांक 05.04.2013 को तहसील कार्यालय–चांपा, जिला–जांजगीर–चांपा में संपन्न लोक सुनवाई का कार्यवाही विवरण

भारत सरकार पर्यावरण एवं वन मंत्रालय की ई0 आई0 ए0 अधिसूचना 14.09.2006 के अंतर्गत् मेसर्स प्रकाश इंडस्ट्रीज लिमिटेड, द्वारा ग्राम–हथनेवरा, जिला–जांजगीर–चांपा में कोल बेस्ड केप्टिव थर्मल पॉवर प्लांट– 500 मेगावॉट (2x100 मेगावॉट एवं 2x150 मेगावॉट) के लिए, भारत सरकार पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, नई दिल्ली से पर्यावरणीय स्वीकृति के लिए छ0ग0 पर्यावरण संरक्षण मंडल में लोक सुनवाई हेतु प्रस्तुत आवेदन पत्र के परिपेक्ष्य में कलेक्टर, कार्यालय कलेक्टर, जिला–जांजगीर–चांपा द्वारा जन सुनवाई हेतु निर्धारित तिथि दिनांक 05.04.2013, को तहसील कार्यालय–चांपा, जिला–जांजगीर–चांपा मे श्री टामन सिंह सोनवानी, अपर कलेक्टर (विकास), जिला–जांजगीर–चांपा की अध्यक्षता एवं बी. एस. ठाकुर, क्षेत्रीय अधिकारी, छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल, बिलासपुर की सहभागिता में लोक सुनवाई प्रारंभ की गई।

अपर कलेक्टर, श्री टामन सिंह सोनवानी द्वारा उपस्थित जन समुदाय, जन प्रतिनिधियो तथा इलेक्ट्रानिक मीडिया के प्रतिनिधियों का हार्दिक अभिनंदन करते हुए जन सुनवाई के महत्व एवं उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए लोक सुनवाई के संबंध में छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल द्वारा अभी तक की गई कार्यवाही के अंतर्गत् 02 स्थानीय समाचार पत्रों क्रमशः नवभारत एवं हरिभूमि में क्रमशः दिनांक 02.03.2013 एवं 03.03.2013 तथा राष्ट्रीय स्तर के समाचार पत्र द इंडियन एक्सप्रेस, नई दिल्ली में दिनांक 04.03.2013 के माध्यम से सर्वसंबंधितो को सूचनार्थ संबंधी प्रकाशन कार्य कराये गये। उपस्थित जनसामान्य को उपरोक्त के संबंध में अवगत कराते हुये लोक सुनवाई प्रारंभ करने की विधिवत घोषणा की गई साथ ही यह व्यवस्था दी गई कि लोक सुनवाई में सभी इच्छुक वक्ताओं को अपनी राय, सुझाव, विचार तथा आपत्तियां रखने के लिए पूरा–पूरा अवसर दिया जावेगा तथा सभी वक्ताओं के बोलने के पश्चात् ही लोक सुनवाई की कार्यवाही सम्पन्न की जावेगी। यह भी समझाईश दी गई कि जब वक्ता अपना वक्तव्य दे रहे हो तो उस समय कोई अन्य व्यक्ति व्यवधान न डाले व कोई टीका – टिप्पणी न करें, तथा शांति व्यवस्था बनाई रखी जावें। यह भी बताया गया कि जो कोई

व्यक्ति लिखित में अपना विचार, सुझाव, सहमति व आपत्ति आदि देना चाहे तो वे दे सकते है। ऐसे लिखित में प्राप्त सुझाव, विचार, टीका–टिप्पणियां की अभिस्वीकृति छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल, के क्षेत्रीय कार्यालय, बिलासपुर के अधिकारियों / कर्मचारियों द्वारा दी जावेगी तथा उसे अभिलेख में लाया जावेगा।

इसके पश्चात् अपर कलेक्टर एवं क्षेत्रीय अधिकारी, बिलासपुर द्वारा मेसर्स प्रकाश इंडस्ट्रीज लिमिटेड, द्वारा ग्राम–हथनेवरा, जिला–जांजगीर–चांपा में कोल बेस्ड केप्टिव थर्मल पॉवर प्लांट– 500 मेगावॉट (2x100 मेगावॉट एवं 2x150 मेगावॉट) के संबंध में उद्योग प्रतिनिधि को सामान्य जानकारी के साथ पर्यावरणीय प्रभाव आंकलन की जानकारी से उपस्थित जन सामान्य को अवगत कराने का निर्देश दिया गया ।

मेसर्स प्रकाश इंडस्ट्रीज लिमिटेड, द्वारा ग्राम–हथनेवरा, जिला–जांजगीर–चांपा में कोल बेस्ड केप्टिव थर्मल पॉवर प्लांट– 500 मेगावॉट (2x100 मेगावॉट एवं 2x150 मेगावॉट) के संबंध में जन सामान्य को उद्योग एवं उद्योग से संभावित पर्यावरणीय स्थिति की जानकारी दी गई।

अपर कलेक्टर द्वारा कोल बेस्ड केप्टिव थर्मल पॉवर प्लांट– 500 मेगावॉट (2x100 मेगावॉट एवं 2x150 मेगावॉट) के संबंध में पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु उपस्थित जन समुदाय से सुझाव, विचार, टीका–टिपण्णी एवं आपत्तियां लिखित या मौखिक रूप से प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित किया गया। जन सुनवाई में आसपास के ग्रामीणों द्वारा कोल बेस्ड केप्टिव थर्मल पॉवर प्लांट के पर्यावरणीय जन सुनवाई में एक–एक कर अपना सुझाव, विचार, टीका–टिपण्णी एवं आपत्तियां रखे। जन सामान्य द्वारा निम्नानुसार सुझाव, विचार, टीका–टिपण्णी एवं आपत्तियां दर्ज कराई गई :–

1. श्री नरेश कुमार पटेल, ग्राम – हथनेवरा :

मैं मूल निवासी हथनेवरा का हूं और मैं कृषि का कार्य करता हूं और जब से पीआईएल प्रकाश इण्डस्ट्रीज लिमिटेड हमारे क्षेत्र में हमारे ग्राम में आये हैं तब से हमारे ग्राम और क्षेत्र का बहुत ही सुंदर ढंग से विकास करते आ रहे है और खास तौर पे देखा जाये तो जितने भी अपने गांव मे छट्ठी होता है या मरनी का या विवाह ये सब में पानी टेंकर द्वारा भेजा जाता है। किसी भी घर में आग लग जाये तो पी आई एल से निशुल्क में फायर ब्रिगेड भेजा जाता है और एम्बुलेंस का व्यवस्था भी पी आई एल द्वारा किया गया है। गांव में अनेक कार्य प्रकाश द्वारा कराया जा रहा है उसमें भी भवन बनाते हैं समुदायिक भवन, नल का भी नल की जगह कराया गया है बेरोजगारों

को रोजगार दिया जा रहा है। और आगे पॉवर प्लांट बढ़ाने हमारी सहमति है। और उसमें से जो दूषित जल निकलता है उसे नियंत्रण में रखें और आगे अपना विस्तार को बढ़ाया जाये।

2. **श्री मोहनलाल यादव, ग्राम – हथनेवरा :**

हमारे ग्राम हथनेवरा में जब से प्रकाश इण्डस्ट्रीज लिमिटेड आया है। तब से पूरे गांव का आस–पास के गांव जैसे हथनेवरा, कोसमंदा, अमरीद, अफरीद, पिथमपुर सभी गांव के चकाचक हैं। आप लोग जांजगीर चांपा जिला को देख ही रहे होंगें। कितना विस्तार से जांजगीर–चांपा बढ़ते जा रहा है। मैं खेती किसानी का काम करता हूँ और मैं धन्यवाद देता हूँ हमारे ग्रामवासियो को अधिकारियों को कि हमारे गांव में इतना बड़ा प्लांट आगे–आगे बढ़ता जा रहा है इस प्लांट के लिए मैं भगवान से प्रार्थना करता हूँ कि प्लांट का कार्य आगे–आगे दिन दुगना रात चौगुना बढ़ते चले जाये। 500 मेगावाट या 1500 मेगावाट का उत्पादन किया जायेगा। फिर भी हमारे क्षेत्र को किसी भी प्रकार का भविष्य में कोई विरोध नहीं है।

3. **श्री देवीप्रसाद वस्त्रकार, ग्राम – हथनेवरा :**

जब से प्रकाश इण्डस्ट्रीज लिमिटेड का निर्माण हुआ है तब से इस क्षेत्र में इस राज्य में उन्नति विकास बहुत तेजी आया है। मैं अपने आप पर गर्व महसूस करता हूं कि मैं ग्राम हथनेवरा का वासी हूं। क्योंकि प्लांट के प्रबंध निदेशक एवं सी.एम.डी साहब ने हमारे गांव में इतना बड़ा संयंत्र के स्थापित कर हम सब को रोजगार मुहैया कराया है। एक नया दिशा दिया इसके लिए मैं हार्दिक स्वागत करता हूँ। जब से प्लांट का निर्माण हुआ है तब से चारों तरफ विकास ही विकास नजर आता है। जिसके पास दो पहिया था उसके पास आज चार पहिया वाहन में चल रहे हैं। लोगों को रोजगार सामाजिक कल्याण के कार्यक्रम जैसे निर्धन कन्या के विवाह हेतु सहयोग राशि, विकलांगों को ट्रायसायकल प्रदान करना है। प्रकाश अपने नाम के अनुसार प्रकाश फैला रहा है। छोटी–छोटी विकास तो इण्डस्ट्रीज के द्वारा किया जाता है और बड़े पैमाने इसके द्वारा विकास कार्य किया जाता हैं जैसा कि आपको मालूम है कि जांजगीर चांपा जिले में इंजीनियरिंग कालेज की कमी थी उसको शासन से लागू करवाया इसमें हमारे इंडस्ट्री का बहुत सारा योगदान है। सवाल पर्यावरण की बात तो सन् 1994–95 में धुंआ निकलता था उस समय तकनीकी का विकास नहीं हुआ था अब नयी तकनीक एवं आधुनिक

मशीन संयंत्र में लगाये जाने से पर्यावरण प्रदूषण कम हो गया है। संयंत्र द्वारा सड़क के किनारे–किनारे वृक्षारोपण किया गया है। अब चारों ओर हरियाली ही हरियाली नजर आती है। चारो ओर हरियाली हो हरियाली हो। प्रकाश इण्डस्ट्रीज के कैम्पस में यह हरियाली नजर आयेगी।

प्रकाश इण्डस्ट्रीज लिमिटेड को ग्रीनटेक सर्टिफिकेट का एवार्ड (Greentech Award) भी दिया जा चुका है एवं ISO प्रमाण पत्र भी प्राप्त है। इसके आने पर लाखों लोगों को रोजगार मिल रहा है, विकास हो रहा है। पर्यावरण स्वीकृति प्रदान करें एवं 500 मेगावाट पावर प्लांट की परियोजना आयेगी और रोजगार मिलेगा और ज्यादा विकास होगा और आगे इस योजना को लायें और मैं इस बात को बार–बार दोहराना चाहुंगा और इसके पहले हमारे क्षेत्र का विकास नहीं हुआ था। और जब प्रकाश इंडस्ट्रीज लिमिटेड का कदम इस क्षेत्र में पड़ा है। तब से दिन दुगनी रात चौगुनी विकास हो रहे हैं। इस योजना को हमारी सहमति हैं आने वाले विस्तार से हमे फायदा ही फायदा है इसलिए हम इनको पर्यावरण स्वीकृति प्रदान करते हैं।

4. श्री माखन लाल पटेल, (खेलकूद समिति अध्यक्ष) ग्राम – हथनेवरा :

समाजसेवा समिति हथनेवरा हमारी समिति सामाजिक सांस्कृतिक एवं खेलकूद आयोजित करती है। जिसमें प्लांट द्वारा हमेशा आर्थिक सहयोग प्रदान करती है। इसी प्रकार प्लांट का विकास कार्य करते हुए ग्राम के महिलाओं के प्रसव के लिए हॉस्पिटल लेजाने हेतु प्लांट द्वारा निःशुल्क एम्बुलेंस की सुविधा देती है। प्लांट द्वारा दाह संस्कार हेतु लकड़ी की व्यवस्था की जाती है। गरीब परिवार के किया कर्म हेतु आर्थिक सहयोग प्रदान करती है। साथ ही विवाह एवं इलाज हेतु आर्थिक मदद करती है। श्रीमती कचराबाई को उल्टी दस्त होने पर मेरे द्वारा प्लांट के नम्बर पर फोन करने से तत्काल एम्बुलेंस सुविधा उपलब्ध कराई गई सही समय पर इलाज होने से कचराबाई की जान बच गई। इसी प्रकार लक्ष्मीदास पटेल की मृत्यु होने पर आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया। वर्तमान में प्लांट से डस्ट नहीं उड़ता और भविष्य में विस्तार करने से डस्ट नहीं उड़ेगा। प्लांट के आने से गांव के लोगों को उच्च शिक्षा ग्रहण इंजीनियर, इलेक्ट्रीशियन, फीटर के पद पर कार्यरत है। प्लांट के विस्तार से लोगों को और रोजगार मिलेगा। प्लांट जल्द से जल्द विस्तार कर सके ताकि लोगों को रोजगार मिल सके।

5. **श्री नेतराम पटेल, ग्राम – हथनेवरा** :

प्रकाश इण्डस्ट्रीज लिमिटेड की स्थापना हमारे ग्राम हथनेवरा में वर्ष 1990–91 से हुआ है। आज लगभग 22–23 वर्ष होने जा रहा है। इन दिनों से हमारे ग्राम हथनेवरा एवं आसपास के क्षेत्रवासियों को वरदान ही मिलता आ रहा है। आज हमारा ग्राम हथनेवरा आर्थिक दृष्टि से सामाजिक राजनैतिक, शिक्षा तकनीकी, सांस्कृतिक एवं सुव्यवस्थित एवं सम्पन्न जीवन इस पी आई एल के माध्यम से गुजार रहा है। आज हमारा गग्रमवासियों के चेहरे पुष्प की तरह खिल रहे हैं। चाहे वे किसान हो, व्यापारी हो, शिक्षित–प्रशिक्षित बेरोजगार या मजदूर वर्ग हो, चाहे वे स्त्री हो या पुरूष विशेषकर बेरोजगार युवाओं को रोजगार का अवसर मिल रहा है। ये पी आई एल का वरदान है। यह कंपनी हमारे ग्रामवासियों को भरपूर सहयोग देता आ रहा है। सामाजिक कार्यों में जैसे आर्थिक सहयोग और पचरी निर्माण, भवन निर्माण मंदिर निर्माण नवधा–रामायण, दुर्गा–गणेश आदि कार्यों में अपना भरपूर सहयोग देता आ रहा है। और व्यक्तिगत कार्यों में अपना सहयोग कर रहे हैं जैसे तुरंत एम्बुलेंस की व्यवस्था फायर ब्रिगेड एवं सुख–दुख के काम में लकड़ी, पानी आदि की व्यवस्था यह कंपनी संयंत्र हमारे ग्रामवासियों को सेवा दे रही है। प्रकाश इण्डस्ट्रीज लिमिटेड में कोई समस्या नहीं है न ही प्रदूषण है प्लांट विस्तार करना चाहे हमें किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति नहीं है।

6. **श्री कुशल कुमार पटेल, ग्राम – कोटाडबरी** :

मैं एम.बी.ए. प्रथम वर्ष की पढ़ाई कर रहा हूं। प्रिंस ऑफ पीस स्कूल में पढ़ाता हूं। मुझे बेहद खुशी है कि पी आई एल के द्वारा जन सुनवाई किया जा रहा है। पी आई एल मेरे जन्म से मेरा जन्म वर्ष 1988 से यहां चल रहा है। बहुत अच्छी बात है कि आज पी आई एल भी जवान हो गया है और मैं भी जवान हो गया हूं। मेरे दृष्टि से प्रकाश इण्डस्ट्रीज लिमिटेड कुछ कर्तव्यों का निर्वहन नहीं कर रहा है। जैसे शिक्षा की बात करें और रोजगार की बात करें। शिक्षा के क्षेत्र में पी आई एल कुछ सहयोग करता आ रहा है पर रोजगार के क्षेत्र मे कुछ उपादेयता बाकी है। जो पढ़े लिखे युवा वर्ग हैं। उनके योग्यता के अनुसार काम नहीं दिया जा रहा है। जबकि अन्य राज्य से कम योग्यता के पढ़े लिखे लोगों को अच्छी नौकरी मिल जाता है। छ.ग. के

मूल निवासियों को उनके लायक काम नहीं दिया जा रहा है और आज छत्तीसगढ़ के लोग जागरूक हो गये हैं और जमीन बेचकर बी.ई. पीएमटी, एमसीए आदि का पढ़ाई कर रहे है। परन्तु उनके योग्यता के अनुसार काम नहीं दिया जा रहा है। उन्हे छोटे मोटे अवश्य प्रदान कर दिया जाता है। जो कि ऊंट के मुंह में जीरा के समान है। जैसी बात है। पर्यावरण की बात हैं तो मैं बचपन से ही पी आई एल में खेलता कूदता आ रहा हूं यहां ग्राम में पढ़े लिखे युवाओं को उचित जॉब नहीं मिल रहा है। यह मेरा पी आई एल से थोड़ी बहुत शिकायत हैं योग्यतानुसार काम मिलना यही सबकी मांग है। पर्यावरण की बात करें तो मैं एम.बी.ए. का छात्र हूं फिर भी कृषि का कार्य करता हूं। मेरे फसलों में प्रदूषण की मात्रा बढ़ते ही जा रहा है। फसलों में कार्बन लगी रहती है जिसके कारण प्रदूषण की मात्रा बढ़ती जा रही है। इस हेतु पी आई एल के अधिकारियों से मैं आग्रह करना चाहता हूं कि परियोजना का काफी ज्यादा फैलाव न दें। हरे पौधे से ऑक्सीजन की उत्पत्ती होती है हमारे पृथ्वी पर हरे पौधे नहीं रहेंगे तो स्वांस लेने के लिए ऑक्सीजन कहां से मिल पायेगा। ये बहुत बड़ी समस्या है कि दिन ब दिन कार्बन डाइआक्साइड की मात्रा बढ़ती जा रहीं है जिसके कारण लगातार ग्लोबल वार्मिंग का जो खतरा है वो भी आज पर्यावरण प्रदूषण के कारण बढ़ते जा रहें है। पी आई एल से आग्रह करना चाहता हुँ कि प्रदूषण के क्षेत्र में कुछ विशेष ध्यान देवें।

7. **श्री भागवत प्रसाद केंवट, ग्राम – हथनेवरा** : आज के पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु लोक जनसुनवाई का आयोजन किया गया है। इस संबंध में मै कुछ बोलना चाहता हूं।

   1. <u>रोजगार</u> – लोग पहले रोजगार के लिये जैस दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, जम्मू काश्मीर अपने परिवार के साथ पलायन करते थे लेकिन प्रकाश इण्डस्ट्रीज लिमिटेड के स्थापना होने के बाद हमारे क्षेत्र के आसपास जितने भी बेरोजगार भाई है। उनको यही रोजगार प्राप्त हो चुका है। और हमारे यहां का पलायन रूक गया है।

   2. <u>प्रदूषण</u> – प्रकाश इण्डस्ट्रीज लिमिटेड प्रदूषण मुक्त है क्योंकि यह प्रदूषण नियंत्रण के लिये विशेष प्रकार के आधुनिक आधुनिक उपकरण जैसे (ई. एस.पी.) का निर्माण किया गया है। जिसे यहां प्रदूषण नगण्य है। और साथ ही साथ पर्यावरण को स्वच्छ बनाने के लिये हजारो की संख्या में

प्रतिवर्ष प्रकाश इण्डस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा पौधे लागये जाते है। रोड किनारे हजारो की संख्या में पेड फल फूल रहे है ।और उसे हमें स्वच्छ वायु प्राप्त होती है। हम आनंद पूर्वक आक्सीजन रहित स्वांस ले सकते है।

3. आर्थिक, सामाजिक, धार्मिक क्षेत्र में प्रकाश इण्डस्ट्रीज लिमिटेड आगे है। जितने भी गरीब परिवार के लोग है। कार्यक्रम के लिए पीआईएल द्वारा आर्थिक सहयोग प्रदान किया जाता है। और विकलांगों को ट्रायसायकल का वितरण करने की व्यवस्था और वितरण करने की व्यवस्था किया जा रहा है। इस प्रकार से यहां प्रदूषण मुक्त है। पर्यावरण के लिए लोक सुनवाई की गई है जिसके लिए पर्यावरण के लिए हमें कोई आपत्ति नहीं है।

8. श्री गोकुल सिंह चंदेल, ग्राम – हथनेवरा

इस क्षेत्र का विकास हुआ है और होता रहेगा। आज जितने भी बेरोजगार थे उनको रोजगार मिला है। पहले हमारे गांव के बच्चे पढाई लिखाई के लिए दूरदराज नहीं जा पाते थें। लेकिन पीआईएल के आने के वजह से हमारे बच्चे अच्छे–अच्छे स्कूल/कॉलेज में पढ़ रहे है। जगह–जगह हेंडपंप, गौशला, धर्मशाला पीआईएल के द्वारा बनाया जाता है। इसके विस्तार होने पर आसपास के गांव के लोगो को रोजगार मिलेगा।जिससे बेरोजगारी हटेगी। आसपास के ग्राम के लोगों को सुख समृद्धि मिलेगी।

9. श्री रामकुमार शर्मा, ग्राम – हथनेवरा :

जब से प्रकाश इण्डस्ट्रीज लिमिटेड का स्थापना हुआ हमारे क्षेत्र एवं स्थानीय लोगो को फायदा हुआ। प्लांट के विस्तार से स्थानीय क्षेत्रवासी को फायदा ही होगा उसमे बेरोजगारो को रोजगार मिलेगा। और जो अन्य लोग है प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष लोग उसमे जुडेंगे रोजगार मिलेगा। संस्था का विस्तार करें एवं पर्यावरण प्रदूषण का विशेष ध्यान रखें।

10. श्री अरूण कुमार शर्मा, चांपा :

संयंत्र के विस्तार में मुझे कोई आपत्ति नहीं है। पर्यावरण को सुनिश्चित करना प्रकाश इण्डस्ट्रीज का परम कतर्व्य है। पर्यावरण का जो संयंत्र है ठीक ढंग से पालन करते हुए पेयजल, स्कूली शिक्षा, चिकित्सा सुविधा भी प्लांट को आसपास के क्षेत्र के लोगो को मुहिया कराना चाहिए। और पर्यावरण को सुनिश्चित रखने के लिए कठोर से कठोर उपाय करना चाहिये। संयंत्र के

विस्तार से हमें कोई आपत्ति नहीं है। संयंत्र विस्तार होगा तो नगर के आसपास के क्षेत्रों के लोगो को रोजगार मिलेगा। खुशयाली मिलेंगी।

11. श्री लोमन श्रीवास, ग्राम – हथनेवरा :

आज पर्यावरण के लिए जन सुनवाई हो रहा है जिसमें हम बेरोजगार चाहते हैं कि पीआईएल संयंत्र विस्तार हो जाये। जिसमें हमारे बेरोजगार को रोजगार मिले और गांव के लिए जितने जमीन खाली है उसमे अधिक से अधिक पेड लगाये जिसमे पर्यावरण संतुलित रह सके।

12. श्रीमती जमुना बाई पटेल, ग्राम – हथनेवरा :

मैं जय मां दुर्गा महिला समिति का अध्यक्ष हूं। पीआईएल हमारे हथनेवरा में अनेको विकास कार्य किये है। पीआईएल विकास करते हुए हमारी समिति को आर्थिक सहायता प्रदान करते हुए समिति को कार्यालय हेतु फर्नीचर प्रदान किया है। साथ ही साथ हमारे गांव में शादी, छट्ठी हेतु आर्थिक सहायता, निःशुल्क शिविर का आयोजन, तबीयत खराब होने पर एम्बुलेंस की व्यवस्था निःशुल्क, पेयजल हेतु पानी टेंकर की व्यवस्था करती आ रही है। तथा प्रकाश इण्डस्ट्रीज लिमिटेड चांपा के क्षमता विस्तार से लोगों को रोजगार मिलेगा। आज हमारे गांव के लोग प्लांट में अच्छे–अच्छे पद पर कार्यकर रहे है। प्लांट के आने से पहले लोग कृषि पर आश्रित थे जिससे लोग दुखी जीवन यापन करते थें। परंतु प्लांट आने के बाद लोग अच्छे से जीवन यापन कर रहे है। इसलिए हमारी समिति की ओर से निवेदन है कि प्लांट का विस्तार करने का कष्ट करें।

13. श्री शिवकुमार तिवारी, (अधिवक्ता) चांपा :

प्रकाश इण्डस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा (100x2 मेगावाट एवं 150x2 मेगावाट) कुल 500 मेगावाट संयंत्र पर आधारित केप्टिव थर्मल पावर प्लांट का जनसुनवाई दिनांक 05.04.2013 को तहसील कार्यालय चांपा, जिला–जांजगीर–चांपा में पर्यावरण प्रभाव पर आपत्ति पेश है। प्रकाश इण्डस्ट्रीज की स्थापना 1980 में चांपा तहसील के गांव हथनेवरा में की गई है। स्थापना के समय पीआईएल को लगभग 300 एकड़ जमीन शासकीय भूमि उपयोग हेतु दी गई थी। जिस पर आज पीआईएल स्थापित होकर स्पंज आयरन का उत्पादन कर रही है एवं एक सफल उद्योग के रूप में लाभ अर्जित कर रही है। यह कि उक्त जो शासकीय भूमि दिया गया है इसमें

छोटे–बड़े झाड़ के जंगल भी हैं। नियम के अनुसार जितनी जमीन छोटे झाड़ के जंगल की होती है उसके बदले में कंपनी को 1 एकड़ के एवज में 10 एकड़ भूमि वृक्षारोपण के लिए मुहैया कराना पड़ता है। आज तक चांपा तहसील में मैने किसी गांव में ऐसा तहसील नहीं देखा है जहां पीआईएल के द्वारा किसी भूमि पर वृक्षारोपण किया गया हो बाग बगीचा लगाया गया हो। प्रकाश इण्डस्ट्रीज लिमिटेड को आजकल पी.आई.एल. के नाम से संबोधित किया जा रहा है। चांपा नगरपालिका क्षेत्र में जहां–जहां स्थापित है। कही सार्वजनिक स्थल पर वृक्षारोपण उनके द्वारा नहीं किया गया है। चांपा हथनेवरा रोड़ के किनारे कितना पेड पौधा लगाये गये है मुझे बताये। चांपा क्षेत्र में विकास के लिए न तो कोई स्कूल खोला गया है न तो कोई कॉलेज खोला गया है। न कोई अस्पताल खोला गया है। पीआईएल के द्वारा इस क्षेत्र के नागरिको के विकास के लिए सार्वजनिक रूप से जनता के विकास के लिए कोई काम नहीं किया गया है। चांपा हथनेवरा हसदेव नदी के किनारे पर है। चांपा की कुल जनसंख्या लगभग 50,000 है। पीआईएल के द्वारा जो स्पंज आयरन का उत्पादन किया जा रहा है। जहां पावर प्लांट लगाया जा रहा है उसको आप जाकर पीथमपुर में दिखेगा कि वहां राखड़ पहाड़ के समान नदी के किनारे खड़ा है। और जब हवा चलती है। धूल की आंधी से चारो तरफ ढक जाती है। हसदेव नदी पूरी तरह से प्रदूषित हो चुकी है। उद्योग लगाने से 10 कि.मी. की परिधि में ऐतिहासिक क्षेत्र या स्थल नहीं होना चाहिए। वहीं समीपस्थ ग्राम पीथमपर व हथनेवरा नदी स्थित है। जो ऐतिहासिक स्थल है। वहां शंकर जी की पूजा की जाती है और पीथमपुर में मेला लगाया जाता है। अभी इस पावर प्लांट के स्थापित होने में लगभग 1700 करोड़ का लागत होगी। और जिसके लिए राखड़ प्रतिवर्ष 18 लाख टन राखड़ निकलेगा। जिसे वह ग्राम पचौरी मे लगभग 200 एकड़ जमीन खरीदना बताया गया है। जहां राखड़ डम्प करेगा। जहां वह राखड़ का पहाड़ हो जायेगा। जब हवा चलेगी तो चारो तरफ पर धूल भरी आंधी आयेगी। सांस लेना मुश्किल हो जायेगा। अपने बच्चो के भविष्य को देखिये और ऐसा काम मत करिये। जिनके विकास के नाम पर विनाश का सामना करना पडे। और इन्होंने लगभग 200 एकड़ जमीन खरीदना बता रहे है वहां सिर्फ इनके द्वारा 8–10 एकड़ जमीन ही खरीदी गई है और उसमें एक जमीन खरीदी गई है जिसका मालिक मर चुका है और इनके द्वारा फर्जी रजिस्ट्री किया गया है। जिसका काम ऐसे फर्जी रजिस्ट्री करना है लोगो को

धोखा देना है ऐसे पीआईएल को समर्थन नहीं देना चाहिए। जो यहां ऐसे जंगल भी नहीं है जो पर्यावरण को शुद्ध हवा दे सकें। आपको सांस लेने में आसानी हो आक्सीजन मिले। चांपा क्षेत्र जंगल विहीन क्षेत्र है। जबकि उद्योग स्थापना के समय इनको लिख के देना पडता है कि स्थानीय लोगों को 50 प्रतिशत रोजगार देंगे। ठेकेदारी के रूप में मजदूर सप्लाई करने का कार्य किया है। स्थानीय लोगों को कोई रोजगार नहीं दिया जा रहा है। छ.ग. को कोई लाभ नहीं। 500 मेगावाट के लिये जनसुनवाई किया जा रहा है उसको अनुमति नहीं मिलनी चाहिये। इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर ही नहीं है। ये न तो किसी अच्छे पोस्ट में रखते है न ही पनपने देते है। पर्यावरण प्रदूषण को देखते हुए इस क्षेत्र में और अधिक उद्योग की स्थापना नहीं होनी चाहिये। शासन में यहां 50 एमओयू पर हस्ताक्षर किये हैं आने वाले समय में यह भारत का सबसे अधिक प्रदूषित क्षेत्र होगा तो वह जांजगीर–चांपा जिला है। ये चारो तरफ प्रदूषण से प्रदूषित है। राखड़ के जमाव से आपका क्षेत्र बंजर हो जायेगा। 200 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया जा रहा है। वह कृषि भूमि 200 एकड़ कम हो जायेगा। आज देश की जनसंख्या अरबो में है। उसके खाद्य समस्या भविष्य में उत्पन्न होगा जिससे कृषि भूमि को उद्योगो को दी जायेगी। कृषि उत्पादन बंद कर उद्योगो को राखड़ डेम बनाया जायेगा। तो खाने के लाले पडेंगे। ये सब परिस्थितियों को देखते हुए प्रकाश इण्डस्ट्रीज लिमिटेड को 500 मेगावाट बिजली का उत्पादन के लिए पर्यावरण असंतुलित होते हुए अनुमति नहीं मिलनी चाहिये। ये पानी हसदेव नदी से लेगा। पानी की समस्या बढ़ती जायेगी। जल स्तर नीचे चला जा रहा है। भविष्य में पानी को ले के, खाद्य को ले के झगड़ा होगा। खाने के लिए अनाज नहीं मिलेगा, त्राही–त्राही हो जायेंगे, पर्यावरण की दृष्टि को रखते हुए इस क्षेत्र में 500 मेगावाट प्लांट स्थापित करने के लिए अनुमति नहीं देनी चाहिये।

14. श्री जीवधन सूर्यवंशी, ग्राम – चोरिया :

आज यहां प्रकाश इण्डस्ट्रीज लिमिटेड के द्वारा 500 मेगावॉट की क्षमता का विकास की जनसुनवाई रखा गया है। यदि छ.ग. में कोई प्लांट दयावान है तो वह प्रकाश इण्डस्ट्रीज लिमिटेड है यदि आपको प्रदूषण देखना है तो रायगढ़ में जाओ, बिलासपुर में जाओ, रायपुर में जाओ, तो वहां दिखेंगे की प्रदूषण क्या होती है। आज प्रकाश के आने से इस क्षेत्र के जवान बुढे, माताओ सभी को कुछ न कुछ दिया है। और इसी के चलते आज यहां 25 सालो से विकास पर विकास करते आ रहा है। प्रकाश इण्डस्ट्रीज लिमिटेड

क्षेत्र की सड़कों के लिए, शिक्षा के लिए, पेयजल के लिये, पर्यावरण के लिए बिल्कुल कही न कहीं आपको नजर आयेगी। मेरी दरखास्त है कि आप इसके समर्थन मे आ जाईये। और इस तरह से जो हामरे हित कर रहे है। प्लांट स्थापित करने दीजिए। प्लांट हमारे जांजगीर–चांपा जिले की स्थापित किया जा रहा है सरकार के द्वारा जांजगीर जिले को चिन्हाकित करके इस वर्ष लगभग 11 प्लांट खोलने की इच्छा है। 500 क्या 1500 मेगावाट की स्थापना करें हमारे क्षेत्र को कोई आपत्ति नहीं हैं।

15. श्री हुलासराम साहू, ग्राम– हथनेवरा :

प्रकाश इण्डस्ट्रीज लिमिटेड के आ जाने से पूर्व में पहले लोगों को रोजगार एवं मजदूरी करने के लिए जम्मू काश्मीर जाना पड़ता था। रोजी मजदूरी के लिए यही रोजी मजदूरी कर रहे है मस्त से अपने–अपने बच्चे को पढ़ा–लिखा रहे है पीआईएल के चलते अभी यहां इंजीनियर, केमिस्ट, शिक्षा जॉब पढाई के अनुसार से पीआईएल में रोजगार मिल रहा है। बाहर जाने का जरूरत नहीं पढ रहा है। अब यहीं रोजगार मिल रहा है। उसके चलते आसपास के लोगो को रोजगार मिल रहा है। पीआईएल के चलते सब खुशहाल से हैं हम लोगो को गांव में किसी भी चीज की जरूवत पड़ती है प्रबंधन द्वारा तत्काल समस्या का निराकरण किया जाता है। पचरी निर्माण हेतु पूर्ण सहयोग किया गया। मैं पीआईएल का पूर्ण रूप से समर्थन करता हूँ।

16. श्री दीपचंद केवट, ग्राम – हथनेवरा

मैं पेटी कांट्रेक्टर के रूप में 10 साल काम किया हूँ। मेरा परिवार भविष्य में बढिया है। और चलता रहेगा प्लांट, सब खुश है।

17. श्री दीपक दुबे, चांपा :

आज प्रकाश इण्डस्ट्रीज लिमिटेड हमारे जिला के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हुये 500 मेगावाट की पावर प्लांट लगा रही है। मैं शासन से कहना चाहता हूं कि जिला में जो अन्य 34 उद्योग लग रहा है वह नहीं लगाया जाये बल्कि प्रकाश इण्डस्ट्रीज लिमिटेड के उद्योग का विस्तार करें। नये उद्योग की जगह पुराने उद्योगों का विस्तार किया जाये। क्षेत्र के विकास में योगदान देती रही है। नदी नालों के किनारे में जो बंजर जमीन पड़ी है जो अनुपयोगी है। हम चाहते हैं कि उन पर वृक्षारोपण करें। उद्योग आने से क्षेत्र के लोगों को रोजगार मिलता है। चांपा एक छोटा नगरी थी उसका

विकास किया है। आप भाई लोग कहते हैं कि प्रकाश इण्डस्ट्रीज लिमिटेड में बाहर के अधिकारी है मैं कहना चाहूंगा कि हम सब हिन्दुस्तानी हैं हिन्दुस्तानी रहेंगे। प्रकाश इण्डस्ट्रीज लिमिटेड का अधिक से अधिक विस्तार हो हम समर्थन करते हैं।

18. **श्री लक्ष्मी पटेल, ग्राम कोटाडबरी** :

प्रकाश इण्डस्ट्रीज लिमिटेड से रोजगार मिला। एम्बुलेंस की व्यवस्था, मृत्यु होने पर लकड़ी पानी , सड़क निर्माण, पचरी निर्माण आदि कार्य कराया गया है। कोई परेशानी नहीं है। 500 मेंगावाट विस्तार हेतु सहमत हैं।

19. **श्री टीकम यादव** –

बड़ी खुशी की बात हैं कि प्रकाश इण्डस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा 500 मेगावाट उत्पादन बढ़ रही है। समस्या यह है कि पर्यावरण के नाम पर कितना पौधा लगाया गया है उसमें कितना जीवित है और कितना मर गया है। शिक्षा के नाम पर कितने स्कूल खोले हैं। ग्राम चोटिया से सिवनी होते हुये कोयला आती है, आज तक ग्राम सिवनी में किसी भी प्रकार का योगदान व सहयोग नहीं किया गया है। अधिकारी से निवेदन है कि इस ओर भी ध्यान देवें।

20. **श्री दिगंबर पटेल, ग्राम – कोटाडबरी** :

आज हर व्यक्ति के पास जमीन नहीं होती। सामान्य आदमी को कोई मतलब नहीं है। ग्रा में गरीब आदमी भी है जिनके पास जमीनें नहीं है खाने को नहीं है जो एक एक दाना के लिये मोहताज हो रही है। हर व्यक्ति को देखकर रोजगार देवें जमीन देखकर नहीं।

21. **श्री उमेश टंडन, ग्राम – हथनेवरा** :

हम प्रकाश इण्डस्ट्रीज लिमिटेड में रोजगार के लिये जाते हैं तो आज कल करके बोलते हैं प्लांट में किसी भी अधिकारी से मिलने पर 1–2 महीनें में होगा करके घुमाते हैं। हम लोगों को रोजगार नहीं देते। किसी किसी को 2 महीनें के लिये काम पर रखकर बाद में निकाल देते हैं। बिहारी उड़ीया लोगों को काम दिया जाता है। हमारे गांव में 30–40 बेरोजगार युवक हैं परंतु उन्हें रोजगार नहीं दिया जा रहा है। ठेकेदारी द्वारा काम कराया जा रहा है। गरीब और गरीब होते जा रहे हैं और अमीर और अमीर हो रहा है। रात में बाहर सोने के बाद सुबह देखों तो चेहरा काला हो जा रहा है। तालाब का

पानी भी काला हो रहा है पानी प्रदूषित हो गया है। हम चाहते हैं प्रदूषण पर नियंत्रण हो और हमें रोजगार मिले। हमारे बात का कोई मतलब है या नहीं बतावें। सामुदायिक भवन, पचरी निर्माण, बाउण्ड्रीवाल का कार्य अभी तक नहीं कराया गया है। अधिकारी लोग आवेदन को दबा देते हैं। हमारा कोई महत्व नहीं है। हमारे गांव में 30 से 40 बेरोजगार हैं उन्हें रोजगार चाहिये।

22. श्री भूपेन्द्र पटेल (उपसरपंच), ग्राम–हथनेवरा :

प्रकाश इण्डस्ट्रीज लिमिटेड से हमें कोई आपत्ति नहीं है। प्रदूषण नहीं है विस्तार होना चाहिये।

23. श्री गीतालाल पटेल, ग्राम– हथनेवरा :

प्रकाश इण्डस्ट्रीज लिमिटेड के आने खुशहाली ही खुशहाली है। नदी के किनारे एक वृक्ष नहीं है पर मकान जरूर है। प्रकाश इण्डस्ट्रीज लिमिटेड हमें काम मिला है, जितना विस्तार कराना चाहे विस्तार करें हमें कोई आपत्ति नहीं है। हम पी.आई.एल. का समर्थन करते हैं।

24. श्री नरेन्द्र सिंह चंदेल वार्ड प्रतिनिधि ग्राम – हथनेवरा :

प्रकाश इण्डस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा जनहित में जो कार्य किया जा रहा है उससे हमारे ग्रामवासी बहुत खुश है। चहुंमुखी विकास हुआ है। हमारे बच्चे अच्छे स्कूलों में पढ़ रहे हैं। प्रकाश इण्डस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा जगह–जगह पर सामुदायिक कार्य किया जा रहा है। आस पास के लोगों को रोजगार मिलेगा। संयंत्र विस्तार हो हमें कोई आपत्ति नहीं है। हम समर्थन करते हैं।

25. श्री कार्तिकेश्वर स्वर्णकार, भाजपा नेता, चांपा :

हम सब चाहते हैं कि क्षेत्र का विकास हो। मैं प्रकाश इण्डस्ट्रीज लिमिटेड को बताना चाहता हूं कि आपने जब से संयंत्र लगाया है हमें कुछ न कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ता है। मैं संयंत्र से अपील करता हूं कि विस्तार करें व जनता के सुख दुख को ध्यान में रखकर विस्तार करें। यही हमारा आग्रह है। मैं अपना समर्थन देता हूं।

26. श्री पीतराम केंवट, ग्राम – हथनेवरा :

हमारे गांव में 20 से 25 विकलांग हैं उनमें से केवल 3 को ट्रायसाकल मिला है। हम चाहते हैं बाकी को भी निःशुल्क नही तो रियायती दर पर

ट्रायसाकल प्रदान करें। विकलांगों के लिये कुछ काम व पेंशन आदि देने की व्यवस्था करें।

27. **श्रीमती कमला देवी पाटले, सांसद , (लोकसभा) जिला जांजगीर –चांपा :**

आज प्रकाश इण्डस्ट्रीज लिमिटेड का जनसुनवाई रखा गया है। आप सभी जानते हैं कि जहां प्लांट लगता है वहां का विकास होना निश्चित है। उस क्षेत्र के लोगों को रोजगार व आर्थिक स्थिति पर सुधार होना निश्चित है। छ.ग. में कोयला, पानी, बिजली का उत्पादन होता है यह गर्व का विषय है। हम दूसरे प्रदेश को बिजली देते हैं जो गर्व की बात है। प्रकाश इण्डस्ट्रीज लिमिटेड जो पावर प्लांट का विस्तार कर रहे हैं वह सही है। क्षेत्र की जनता को चाहिये कि इस परियोजना में भरपूर सहयोग प्रदान करें व प्रबंधन से भी निवेदन है कि प्रदूषण को नियंत्रित रखें। क्षेत्र के विकास हेतु सी.एस.आर. मद के अंतर्गत जो निर्माण कार्य हुये हैं उससे क्षेत्र का विकास हुआ है जैसे कि कलेक्ट्रेट परिसर का सौंदर्यीकरण, हाईस्कूल का अहाता निर्माण, पीथमपुर मंदिर का सौंदर्यीकरण, बंधवा तालाब का सौंदर्यीकरण, पेयजल की सुविधा प्रदान की गई है। अतः इस परियाजना विस्तार पर सहयोग प्रदान करें।

28. **श्री जवाहर सिंह, ग्राम– हथनेवरा :**

इस संयंत्र द्वारा हमारे क्षेत्र का विकास हो रहा है। सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, राजनैतिक सभी दृष्टि से क्षेत्र का विकास हो रहा है। गांव की स्थिति दयनीय थी जो आज अच्छी हो गई है। रहन सहन में परिवर्तन आया है। गांव में सुधार हो रहा है। आज कई लोगों को रोजगार मिल रहा है। संयंत्र विस्तार से हमें कोई आपत्ति नहीं है। हम समर्थन करते हैं।

29. **प्रवीण सिंह, ग्राम– हथनेवरा –**

यह जनसुनवाई चांपा में होनी आवश्यक है क्या? यदि हां तो ग्राम– हथनेवरा में पर्यावरण है या नहीं। क्या हथनेवरा में प्रदूषण मापक यंत्र लगा है। 500 मेगावाट पावर प्लांट का विस्तार हेतु जनसुनवाई है। ये किस जमीन की बात कर रहे हैं बतायें। बेरोजगार को रोजगार देना संभव नहीं है। बड़े मुश्किल से विकलांगों के लिये 5–6 सायकल दिया है। एक बोरिंग नदी किनारे खोदा है वहां साधु महात्मा रहते हैं। बोरिंग आज तक नहीं बना।

अगर 500 मेगावाट का विस्तार कर रहे हैं तो गांव के बच्चे चांपा पढ़ने जाते हैं उनके लिये वाहन व्यवस्था नहीं है। सच्चाई जानना है तो ग्राम हथनेवरा में जाकर देखें। प्रदूषण को देखें। शासन व प्रबंधन एक पड़ले के हैं। सच्चाई को दबाना है। राजस्व विभाग यह बतायें कि कितनी एकड़ जमीन प्रकाश इण्डस्ट्रीज लिमिटेड को लीज में दिया गया है और कितनी एकड़ निजी है कृपया बतायें।

30. श्री अशोक साहू सरपंच प्रतिनिधि, ग्राम– पीथमपुर :

हमारे ग्राम पीथमपुर में आज तक कोई विकास नहीं किया गया है। प्रदूषण बहुत है। घास के ऊपर में इतनी कालिख पड़ जाती है जिससे मवेशी चारा चरकर कालकवलीत हो जाते हैं। क्षेत्र के शिक्षित बेरोजगार को लाभ दिलाया जावे। क्षेत्र के विकास को ध्यान में रखकर ही विस्तार करें।

31. श्री धर्मपाल सिंह राठौर, ग्राम– अफरीद :

यह जिले व प्रदेश के लिये खुशी की बात है कि पावर प्लांट लग रहा है। मैं प्रकाश इण्डस्ट्रीज लिमिटेड के अधिकारियों का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि हमारे ग्राम भी इससे प्रभावित है। क्षेत्रीय लोगों को रोजगार देवें व सहयोग प्रदान करें।

32. श्री निक्की पाल, ग्राम – हथनेवरा :

प्रकाश इण्डस्ट्रीज लिमिटेड के आने से बेरोजगार को रोजगार मिला है। आस पास के क्षेत्र में भवन, मंदिर निर्माण किया गया है। गांव का सतत् विकास हुआ है। कोई आपत्ति नहीं है।

33. श्री नारायण प्रसाद, पार्षद वार्ड नं. 15 चांपा :

प्रकाश इण्डस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा सामुदायिक भवन, अस्पताल, पेयजल सुविधा, मंदिर निर्माण, शादी विवाह, मरनी आदि में सहयोग मिला है। हम सब आभारी हैं। संयंत्र विस्तार हेतु सहमत हैं।

34. श्री सतीश पटेल, ग्राम – हथनेवरा :

प्रकाश इण्डस्ट्रीज लिमिटेड जो 1998 में स्थापित है उस समय मेरे पिताजी सरपंच थे। परंतु मुझे आज तक काम नहीं दिया गया है। मेरा चतुर्वेदी साहब से निवेदन है कि मुझे रोजगार के लिये नीरू कुमार गुप्ता को आश्वासन दिया था क्या इसके लिये मुझे वेदप्रकाश अग्रवाल से कहना

पड़ेगा। मुझे रोजगार दें मैं गरीब हूं महानुभाव से अनुरोध है कि मुझे रोजगार दें।

35. श्री राधेश्याम पटेल, ग्राम हथनेवरा :

प्रकाश इण्डस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा 500 मेगावाट पावर प्लांट जो लग रहा है वह बहुत अच्छा है। इससे क्षेत्र का विकास होगा लोगों को रोजगार मिलेगा। प्रकाश इण्डस्ट्रीज लिमिटेड में यही खामी है कि वहां अस्पताल नहीं है। ध्यान दे विस्तार करें सहमति है।

36. श्री मंगूतराम शर्मा, चांपा :

मैं क्षेत्र का छोटा सा किसान हूं। प्रकाश इण्डस्ट्रीज लिमिटेड आने से लोग इस आशा के साथ स्वागत किया कि विकास होगा पर विनाश की ओर जा रहा है। पर्यावरण प्रदूषण फैल रहा है। पर्यावरण सुरक्षा हेतु पर्यावरण अधिकारी से निवेदन है। प्रस्तावित स्थल ग्राम पीथमपुर में पुरातत्व मंदिर है जिसे 10 कि.मी. के बाहर बताया गया है जो गलत है। पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है। ग्राम हथनेवरा में सैकड़ों एकड़ बेजा कब्जा किया गया है। प्लांट का गंदा पानी कोटाडबरी की नदी में जाता है। पर्यावरण अनुमति न दी जावे। राखड़ लोहे के कण होते हैं जो उड़कर मनुष्य के शरीर में जाता है जिससे स्वांस की बीमारी बढ़ रही है। क्षेत्र के लोगों का हर वर्ष सर्वे हो। स्वास्थ्य, पानी, सड़क, बिजली में कितना काम कराया सर्वे हो। क्षेत्र के विस्तार कैसे होगा। बाहर के लोगों को अच्छे वेतन व पद पर रखते हैं एवं छत्तीसगढ़ के लोगों को कम वेतन व छोटे पद पर रखा जाता है। लाभ लेंगे और लेकर बाहर भेज देंगें और क्षेत्र के लोग प्रदूषण से ग्रसित हो रहे हैं। प्लांट लगने से क्षेत्र में गर्मी की समस्या बढेगी। मैं प्रकाश इण्डस्ट्रीज लिमिटेड से निवेदन करता हूं कि प्रदूषण न बढ़ायें, गुण्डागर्दी न बढ़ावें, इनके चौकीदार द्वारा गोलीबारी की गई जिसके कारण एक आदमी बेमौत मारा गया। राखड़ डेम,व यह प्लांट स्थापित नहीं होनी चाहिये इसके लिये मैं तन मन धन से शामिल हूं।

37. श्री चूड़ामड़ी राठौर, सरपंच ग्राम पंचायत सिवनी :

सभी को मालूम है कि ग्राम पंचायत सिवनी के मुखिया होने के नाते प्रत्येक पंचायत में एक बुक मिला है जिसमें तमाम क्षेत्र के विकास संबंधी,

क्या क्या विकास होते हैं, पर्यावरण से सुरक्षा संबंधी बातें कही गई है। शासन के अधिकारी से निवेदन है कि क्षेत्र के विकास व मूलभूत सुविधा में हमारा समर्थन दें। अन्यथा यह क्षेत्र जो शांति प्रिय है वह अशांति प्रिय हो जायेगा। जैसे शर्मा जी बोले की जब हम उग्रता में आये तो कोई नहीं बच सकेगा। शासन, प्रशासन, प्रबंधन समिति से निवेदन है कि जनता के हित के बिना कोई कार्य नहीं कर पाओगे। ग्राम पंचायत सिवनी समर्थन दे रही है। आस पास के ग्राम पंचायत के विकास की घोषणा करने पर हमारा समर्थन है।

38. श्रीमती सविता देवी राठौर, सरपंच ग्राम पंचायत कोसमंदा :

प्रकाश इण्डस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा बहुत कार्य किया गया है। जैसे चबूतरा निर्माण, पेयजल, मंदिर निर्माण, सड़क आदि कार्य किये गये हैं। स्वास्थ्य सुविधा प्रदान की गई है। 500 मेगावाट विस्तार हेतु हमारा समर्थन है।

39. रेवती कुमारी, ग्राम हथनेवरा इंदिरा आवास :

बच्चों की पढ़ाई में प्रदूषण से प्रभाव पड़ रहा है। राखड़ से मोहल्ले में गंदगी फैल रही है। प्लांट के गंदे पानी से हम नहाते हैं जिससे हमारे शरीर में खुजली होती है। पीने का पानी भी साफ नहीं मिल पाता। हमारे पीने के पानी की व्यवस्था नहीं है। आशा है इस सब को ध्यान देंगे।

40. श्री राजेश महंत, ग्राम हथनेवरा इंदिरा आवास :

प्रदूषण बहुत है, मेरी पत्नी की मृत्यु हो गई एम्बुलेंस मंगाने पर नहीं दिया गया। प्रदूषण बहुत ज्यादा है प्लांट से मेरा घर 200 मी. की दूरी पर है। मझे कोई व्यवसाय नहीं मिला है। प्रदूषण युक्त पानी से खुजली हो रही है, हमारी सहायता की जावे। समस्याओं को दूर किया जावे।

41. श्री लक्ष्मी प्रसाद पटेल, ग्राम कोटाडबरी :

मैं कंपनी का टेंकर चालक हूं। जब से प्लांट आया है तब से पानी में गंदगी बढ़ रही है। प्रबंधन ध्यान नहीं देते। प्रदूषण मुक्त कोई नहीं है।

42. श्री नंदकुमार शर्मा, ग्राम – पचोरी :

ग्राम के लोग महात्मा गांधी रोजगार गारंटी के काम करने गया है। किसी को मालूम नहीं है कि आज जनसुनवाई है। मेरे को लगता है कि यह जनसुनवाई नहीं धनसुनवाई है। ग्राम को कचरा डेम नहीं बनायें।

43. एक ग्रामीण ग्राम – पचोरी :

ग्राम पंचायत पचोरी में पावर प्लांट का विस्तार के लिये जनसुनवाई है और ग्राम के लोगों को मालूम नहीं है। जनसुनवाई का विरोध किया जाता है।

44. श्री विजय पटेल, नोटरी, ग्राम– हथनेवरा :

जनसुनवाई की आपत्ति कर रहा हूं जिस ग्राम के लिये जन सुनवाई होते हैं वह उसी ग्राम में होना चाहिये। ग्रामवासियों को सूचना भी नहीं दी गई है इसका विरोध हो।

45. श्रीमती विद्या देवी, ग्राम – हथनेवरा :

हमारे ग्राम में पानी की बहुत तकलीफ है। पानी की व्यवस्था करें व प्रदूषण को रोकें। गंदे पानी का नाला बंद किया जाये व सही पानी दिया जाये।

46. एक महिला :

पानी की समस्या है जोशी साहब से शिकायत करने के बाद भी पानी की व्यवस्था नहीं किया गया है।

47. श्री विजय राजपूत, ग्राम घोघरानाला :

प्रकाश इण्डस्ट्रीज लिमिटेड हमारे लिये बहुत कुछ किया है। जैसे सामुदायिक भवन बनाया गया है।

48. श्री दिनेश सिंह चंदेल, ग्राम – हथनेवरा :

प्रकाश इण्डस्ट्रीज लिमिटेड का प्लांट 1991 से आया है इसके पूर्व मैं रोजगार के लिये पलायान कर चुका था। फैक्ट्री आने से मुझे रोजगार मिला है। क्षेत्र के बहुत भाईयों को रोजगार मिला है। प्लांट का चौमुखी विकास हुआ है। हम समर्थन करते हैं।

49. श्रीमती रेखा, ग्राम – हथनेवरा इंदिरा आवास :

प्रदूषण बहुत है। बच्चों की तबीयत बिगड़ रही है। प्रदूषण रोकें।

50 एक महिला – ग्राम हथनेवरा :

गंदे पानी से तबीयत खराब हो रही है। प्रदूषण बहुत है।

51. श्री ईश्वरलाल साहू, ग्राम – हथनेवरा :

प्रकाश इण्डस्ट्रीज लिमिटेड के आने से पहले बेरोजगार रोजगार के लिये दर–दर भटक रहे थे। संयंत्र आने से रोजगार मिला है। बच्चों को अच्छी शिक्षा मिल रहा है। मैं एक किसान हूं। फैक्ट्री रहने से रोजगार मिलेगा। 500 मेगावाट का विस्तार हो। मैं समर्थन करता हूं।

अपर कलेक्टर श्री टामन सिंह सोनवानी, जिला–जांजगीर–चांपा द्वारा जन सामान्य को अवगत कराया गया कि लोक सुनवाई के पूर्व निर्धारित अवधि में क्षेत्रीय कार्यालय छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल को कोल बेस्ड केप्टिव थर्मल पॉवर प्लांट– 500 मेगावॉट (2x100 मेगावॉट एवं 2x150 मेगावॉट) के संबंध में 85 आवेदन एवं लोक सुनवाई के दौरान 84 आवेदन प्राप्त हुये। कुल 169 आवेदन प्राप्त हुये है। सम्पूर्ण लोक सुनवाई कार्यक्रम की विडियोग्राफी/फोटोग्राफी कराई गई है। लोक सुनवाई के दौरान लगभग 450 जनसामान्य की उपस्थिति रही, जिसमें से 51 व्यक्तियों द्वारा कोल बेस्ड केप्टिव थर्मल पॉवर प्लांट– 500 मेगावॉट (2x100 मेगावॉट एवं 2x150 मेगावॉट) स्थापना के संबंध में मौखिक रूप से सुझाव/विचार एवं आपत्तियां व्यक्त की गई है। जन सुनवाई के दौरान उपस्थित जन समुदाय मे से 138 लोगो द्वारा अपनी उपस्थिति, लोक सुनवाई उपस्थिति पत्रक में दर्ज कराई है।

लोक सुनवाई कार्यक्रम के समापन पर अपर कलेक्टर, जिला–जांजगीर–चांपा द्वारा उपस्थित जन समुदाय, उद्योग प्रबंधन, जनप्रतिनिधि तथा मीडिया को लोक सुनवाई में उपस्थित होने एवं आवश्यक सहयोग देने के लिए धन्यवाद ज्ञापित करते हुए लोक सुनवाई की कार्यवाही को संपन्न करने की घोषणा की गई।

बी. एस. ठाकुर
क्षेत्रीय अधिकारी,
छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल,
बिलासपुर (छ.ग.)

टामन सिंह सोनवानी
अपर कलेक्टर,
जिला–जांजगीर–चांपा (छ.ग.)